महावीर जयंती

[स्रोत: पी.आई.बी.](#)

हाल ही में भारत के **प्रधानमंत्री** द्वारा महावीर जयंती के शुभ अवसर पर **2550वें भगवान** महावीर निर्वाण महोत्सव का उद्घाटन किया।

- जैन महावीर स्वामी सहित **प्रत्येक तीर्थंकर के पाँच कल्याणक** (प्रमुख कार्यक्रम) होते हैं: च्यवन/गर्भ (गर्भाधान) कल्याणक; जन्म (जन्म) कल्याणक; दीक्षा (त्याग) कल्याणक; कैवल्य ज्ञान (सर्वज्ञता) कल्याणक एवं निर्वाण (मुक्ति/परम मोक्ष) कल्याणक।
- इस अवसर पर **प्रधानमंत्री ने एक स्मारक डाक टिकट तथा सिक्का** भी जारी किया।

महावीर जयंती क्या है?

- **परिचय:**
  - महावीर जयंती, जैन समुदाय में सबसे पवित्र त्योहारों में से एक है।
  - यह दिन वर्धमान **महावीर के जन्म का प्रतीक** है, जो **24वें या अंतिम तीर्थंकर** तथा **23वें तीर्थंकर पार्श्वनाथ** के उत्तराधिकारी बने।
  - जैन ग्रंथों के अनुसार, भगवान **महावीर का जन्म** चैत्र माह **के शुक्ल पक्ष के 13वें दिन** हुआ था।
    - ग्रेगोरियन कैलेंडर के अनुसार, महावीर जयंती आमतौर पर मार्च या अप्रैल महीने में मनाई जाती है।
  - भगवान महावीर की मूर्ति के साथ एक जुलूस निकाला जाता है जिसे **रथ यात्रा** कहा जाता है।
  - स्तवन अथवा जैन प्रार्थनाओं का पाठ करते हुए, भगवान की मूर्तियों का औपचारिक स्नान कराया जाता है जिसे अभिषेक कहा जाता है।
- **भगवान महावीर:**
  - भगवान महावीर स्वामी ने अपनी गहन **आध्यात्मिक प्रथाओं और शिक्षाओं** के माध्यम से मानवता पर एक अमिट छाप छोड़ी।
  - बचपन में भगवान महावीर का नाम **वर्धमान** था यानी 'जो बढ़ता है'।
  - अपनी **बारह वर्ष की आध्यात्मिक साधना** के दौरान भगवान महावीर ने **चार असाधारण गुणों का प्रदर्शन** किया:
    - **गहन और अबाधित ध्यान:** उनके अटूट ध्यान ने उन्हें गहन अंतर्दृष्टि प्राप्त करने में मदद की।
    - **कठोर तपस्या:** अपनी आत्मा को शुद्ध करने के लिये उन्होंने अत्यधिक शारीरिक कष्ट सहे।
    - **दर्द की सहनशक्ति:** महावीर स्वामी ने अद्भुत सहनशक्ति का प्रदर्शन किया।
    - **सर्वश्रेष्ठ संतुलन:** उनका आंतरिक संतुलन स्थिर रहा।
  - **वैशाख** के दसवें दिन, महावीर की यात्रा एक निर्णायक क्षण पर पहुँची।
  - **इन 5 शिक्षाओं में ब्रह्मचर्य (ब्रह्मचर्य/शुद्धता) को महावीर द्वारा जोड़ा गया था।**

वर्धमान महावीर

24वें और अंतिम तीर्थंकर; 23वें तीर्थंकर पार्श्वनाथ के उत्तराधिकारी (महावीर जैन धर्म के संस्थापक नहीं थे)

जन्म

- कुंडलग्राम के राजा सिद्धार्थ और लिच्छवी राजकुमारी रानी त्रिशला के पुत्र
- छठी शताब्दी ईसा पूर्व में, वज्जि साम्राज्य (आधुनिक वैशाली, बिहार)
- इक्ष्वाकु वंश से संबंधित थे

जैन अनुयायियों के लिये सबसे शुभ त्योहारों में से एक महावीर जयंती, वर्धमान महावीर के जन्म का प्रतीक है

आध्यात्मिक जीवन

- 30 वर्ष की आयु में सांसारिक जीवन त्याग दिया
- 42 वर्ष की आयु में 'कैवल्य' (सर्वज्ञता) प्राप्त किया
- पावा (पटना के पास) में अपना पहला उपदेश दिया

प्रत्येक तीर्थंकर के साथ एक प्रतीक जुड़ा होता है, महावीर का प्रतीक सिंह था

मृत्यु

- माना जाता है कि 72 वर्ष की आयु में उनका निधन हो गया और उन्होंने मोक्ष प्राप्त किया (5वीं शताब्दी ईसा पूर्व)
- पावापुरी में निधन (आधुनिक राजगीर, बिहार के पास)

मोक्ष - जन्म और मृत्यु के चक्र से मुक्ति

उपाधियाँ

- महावीर (महान नायक)
- जैन/जितेंद्रिय (जिसने अपनी सभी इंद्रियों पर विजय प्राप्त की)
- निर्ग्रन्थ (जो सभी बंधनों से मुक्त है)

शिक्षाएँ (जैन आगम)

- अहिंसा
- सत्य
- अस्तेय (चोरी न करना)
- अपरिग्रह (अनासक्ति)
- ब्रह्मचर्य (पवित्रता) (महावीर द्वारा प्रतिपादित)

महावीर और उनके शिष्यों ने आम लोगों को ज्ञान देने के लिए प्राकृत भाषा में शिक्षा दी

Drishti IAS

जैन धर्म क्या है?

- 'जैन' शब्द **जिन या जैन** से बना है जिसका अर्थ है 'विजेता'।
- **तीर्थंकर** एक संस्कृत शब्द है जिसका अर्थ है **'नदी निर्माता',** अर्थात् जो नदी को पार कराने में सक्षम हो, वही सांसारिक जीवन के सतत् प्रवाह से पार कराएगा।
- जैन **धर्म अहिंसा को अत्यधिक महत्त्व** देता है।
- यह **5 महाव्रतों** का उपदेश देता है:
  - अहिंसा
  - सत्य
  - अस्तेय या आचार्य (चोरी न करना)
  - अपरिग्रह (गैर-आसक्ति/गैर-आधिपत्य)
  - ब्रह्मचर्य (शुद्धता)
- इन 5 शिक्षाओं में **महावीर द्वारा ब्रह्मचर्य (ब्रह्मचर्य/शुद्धता) को जोड़ा गया था।**
- जैन धर्म के **तीन रत्न** या त्रिरत्न में शामिल हैं:
  - सम्यक् दर्शन (सही विश्वास)।
  - सम्यक् ज्ञान (सही ज्ञान)।
  - सम्यक् चरित्र (सही आचरण)।
- बाद के समय में जैन धर्म **दो संप्रदायों** में विभाजित हो गया:
  - स्थलबाहु के अधीन **श्वेतांबर** (श्वेत वस्त्रधारी)।
  - भद्रबाहु के नेतृत्व में **दिगंबर** (आकाश-आवरणधारी)।
- जैन धर्म में महत्त्वपूर्ण विचार यह है कि **पूरी दुनिया सजीव है: यहाँ तक कि पत्थरों, चट्टानों और पानी में भी जीवन है।**
- जीवित प्राणियों, विशेषकर मनुष्यों, जानवरों, पौधों और कीड़ों को चोट न पहुँचाना जैन दर्शन का केंद्र है।
- जैन की शिक्षाओं के अनुसार, **जन्म और पुनर्जन्म का चक्र कर्म के माध्यम से आकार लेता है।**
- स्वयं को कर्म के चक्र से मुक्त करने और आत्मा की मुक्ति के लिये **संन्यास एवं तपस्या** की आवश्यकता होती है।
- **संथारा** की प्रथा भी जैन धर्म का हिस्सा है।
  - यह आमरण अनशन की रस्म है। **श्वेतांबर** जैन इसे **संथारा** कहते हैं, जबकि दिगंबर इसे **सल्लेखना** कहते हैं।
  - **निखिल सोनी बनाम भारत संघ मामले में राजस्थान उच्च न्यायालय** ने संथारा की जैन प्रथा को **भारतीय दंड संहिता (IPC)** के तहत दंडनीय अपराध घोषित किया। हालाँकि मामला अभी भी सर्वोच्च न्यायालय में **विचाराधीन** है।

UPSC सिविल सेवा परीक्षा, विगत वर्ष के प्रश्न

??????????:

प्रश्न. भारत की धार्मिक प्रथाओं के संदर्भ में "स्थानकवासी" संप्रदाय का संबंध किससे है? (2018)

(a) बौद्ध मत
(b) जैन मत
(c) वैष्णव मत
(d) शैव मत

उत्तर: (b)

प्रश्न. भारत के धार्मिक इतिहास के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये: (2017)

1. सौत्रांतिक और सम्मितीय जैन मत के संप्रदाय थे।
2. सर्वास्तिवादियों की मान्यता थी कि दृग्विषय (फिनोमिना) के अवयव पूर्णतः क्षणिक नहीं हैं, अपितु अव्यक्त रूप में सदैव विद्यमान रहते हैं।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

(a) केवल 1
(b) केवल 2
(c) 1 और 2 दोनों
(d) न तो 1 और न ही 2

उत्तर: (b)

प्रश्न. प्राचीन भारतीय इतिहास के संदर्भ में नम्िनलखिति में से कौन-सा/से बौद्ध धर्म या जैन धर्म दोनों में समान रूप से वद्यिमान था/थे? (2012)

1. तप और भोग की अतिका परहिार
2. वेद-प्रामाण्य के प्रतिअनास्था
3. कर्मकांडों की फलवता का नषिध

नम्िनलखिति कूटों के आधार पर सही उत्तर चुनयि:

(a) केवल 1
(b) केवल 2 और 3
(c) केवल 1 और 3
(d) 1, 2 और 3

उत्तर: (b)

प्रश्न. अनेकांतवाद नम्िनलखिति में से कसिका मूल सद्धिांत और दर्शन है? (2009)

(a) बौद्ध
(b) जैन
(c) सखि
(d) वैष्णव

उत्तर: (b)

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/mahavir-jayanti-2